www.vidarbhakibaat.in

Post Reg. No. RNP/NPCITY /169 /2015-2017

प्रखर... मुखर... स्वर

विदर्भ की बात

● वर्ष 17 ● अंक 96 नागपुर, गुरुवार,2 मार्च 2017 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य ₹ 2

सुप्रभात

रसोई गैस सिलेंडर के दाम 700 के पार

नई दिल्ली

एनडीए सरकार के ढाई वर्ष के कार्यकाल में पहली बार रसोई गैस सिलेंडर के दाम 700 रुपए के ऊपर निकल गए हैं। मंगलवार को रेट रिवीजन के बाद घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के बाजार भाव में अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोत्तरी दर्ज की गई।

घरेलू सिलेंडर 86.50 रुपए महंगा होने के साथ अब 777 रुपए का हो गया है, जबकि कमर्शियल गैस सिलेंडर पर 149.50 रुपए और पांच किलो वाले छोटे सिलेंडर पर 30.50 रुपए का इजाफा हुआ है। रेट रिवीजन के बाद घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किलो) 777 रुपए का हो गया है। अभी तक यह उपभोक्ताओं को 691 रुपए का मिल रहा था, जबकि कमर्शियल सिलेंडर (19 किलो) के दाम 1330 रुपए से बढ़कर 1479.50 रुपए हो गया है।

छोटे सिलेंडर पर 30.50 रुपए के इजाफे के बाद 252 का सिलेंडर 282.50 रुपए का हो गया है। ये बढ़ी हुई दरें मंगलवार आधी रात से लागू हो गई हैं।

बीते छह माह में रसोई गैस सिलेंडर के बाजार भाव में 270.50 रुपए का इजाफा हो गया है। बीते वर्ष अगस्त से एलपीजी सिलेंडर के रेट में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। इधर बीते तीन महीनों में ही घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दामों में 153 रुपए बढ़े हैं।

सिटी वैल्थ इंडेक्स लिस्ट में मुंबई ने वाशिंगटन डीसी समेत टोरंटो और मास्को को पछाड़ा

मुंबई

सिटी वैल्थ इंडेक्स की लिस्ट में देश की आर्थिक राजधानी मुंबई ने टोरंटो समेत वाशिंगटन डीसी और मास्को को पछाड़ दिया है। इस लिस्ट में मुंबई को 21वां स्थान मिला है। नाइट फ्रेंक वैल्थ रिपोर्ट 2017 ने बुधवार को यह लिस्ट जारी की है। इसमें दिल्ली को 35वां स्थान मिला है जबकि बैंकाक, सिएटल और जकार्ता इससे पीछे छूट गए हैं। इस लिस्ट में करीब 89 देशों के 125 शहरों को लिया गया था। इस दौरान वहां रहने वालों की कुल संपत्ति समेत निवेश और लाइफस्टाइल पर भी शहर को जांचा और परखा गया। इस बार इस लिस्ट को दुनियाभर के बड़े प्राइवेट बैंकर्स और वैल्थ एडवाइजर्स के सर्वे से मिले आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस वर्षों में भारत में रहने वाले लोगों के रहनसहन में काफी सुधार हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक यह दोगुने से भी अधिक करीब 290 फीसद बढ़ा है, वहीं भारत में दुनिया के करीब दो फीसद अरबपति और 5 फीसद करोड़पति मौजूद हैं। यूएचएनडब्ल्यूआइ के मामले में भारत का मुंबई जहां इसमें सबसे अव्वल है वहीं दिल्ली और कोलकाता दूसरे और तीसरे नंबर पर है।

जीडीपी के आंकड़ों ने दिखाया हार्वर्ड व हार्डवर्क वालों की सोच का फर्क - मोदी

महराजगंज

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नोटबंदी के बाद आये सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) सम्बन्धी आंकड़ों को विरोधियों के दुष्प्रचार का करारा जवाब बताते हुए कहा कि देश के ईमानदार लोगों, किसानों और नौजवानों ने जीडीपी में सुधार के जरिये हार्वर्ड (विश्वविद्यालय) और हार्डवर्क (कठिन परिश्रम) वालों की सोच के बीच फर्क जाहिर कर दिया है।

मोदी ने यहां भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैली में कहा कि नोटबंदी के बाद विपक्ष के लोगों ने आर्थिक विकास चौपट होने और देश के पिछड़ने का दुष्प्रचार किया था। हार्वर्ड और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के बड़े-बड़े विद्वानों ने नोटबंदी के कारण जीडीपी में दो से चार प्रतिशत की गिरावट का दावा किया था, लेकिन आये जीडीपी के आंकड़ों ने साबित कर दिया है कि हार्वर्ड और हार्डवर्क में कितना फर्क है।

उन्होंने किसी का नाम लिये बगैर कहा, एक ओर हार्वर्ड के विद्वान हैं और दूसरी ओर एक गरीब मां का बेटा है जो हार्डवर्क से देश की अर्थनीति बदलने में लगा हुआ है। देश के ईमानदारों ने दिखा दिया है कि हार्वर्ड से ज्यादा दम हार्डवर्क में है। मालूम हो कि नोबेल पुरस्कार प्राप्त अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन ने मोदी सरकार के नोटबंदी के कदम की कड़ी आलोचना की थी। मोदी ने कहा कि उनके विरोधियों ने जीडीपी के ताजा आंकड़ों पर सवाल खड़े किये हैं। वे अब कह रहे हैं कि आंकड़े कहां से आये। यूपी सरकार की वेबसाइट खुद कहती है, अखिलेश का काम नहीं कारनामे बोल रहे हैं।

उन्होंने सपा और बसपा समेत विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा, मैं देश भर में स्वच्छता अभियान चला रहा हूं लेकिन उत्तरप्रदेश ने तो इस अभियान को एक नया आयाम दे दिया है। जनता ने राज्य की राजनीति से सारी गंदगी हटाने का फैसला कर लिया है। जनता ने पहले पांच चरणों में भाजपा को विजय दिला दी है। छठे और सातवें चरण में बस बोनस देना है। उन्होंने कहा कि अब चर्चा यह है कि भाजपा दो तिहाई बहुमत लाएगी कि तीन चौथाई बहुमत लाएगी। अब बुआ (बसपा मुखिया मायावती) भी गयी, भतीजा (मुख्यमंत्री अखिलेश यादव) भी गया और भतीजे का नया दोस्त (कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी) भी गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अखिलेश और राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि अखिलेश सरकार को सैफई की चिंता है। उसका मानना है कि सैफई का विकास हो गया तो सबका विकास हो गया। एक (अखिलेश) को कुनबे में रस मिलता है तो दूसरे (राहुल) को हाथ की सफाई में रस मिलता है।

राहुल के नारियल के जूस वाले बयान पर मोदी ने ली चुटकी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी के नारियल के जूस और आलू की फैक्टरी वाले बयान पर खूब चुटकी ली।

यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा, कांग्रेस के एक नेता हैं, और मैं उनकी दीर्घायु की कामना करता हूं। उन्होंने हाल ही में मणिपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने वहां किसानों के लिये बड़ी घोषणा की और कहा कि अब वह मणिपुर से नारियल का जूस निकालकर इंग्लैंड में बेचेंगे। गरीब से गरीब बच्चे को भी पता होगा कि नारियल का तो पानी होता है, जूस नहीं। नारियल केरल में होता है और वह कहते हैं कि मणिपुर में नारियल का जूस निकलेगा।

शपथ ग्रहण

राज्य के प्रथम राज्य मुख्य सेवा हक आयुक्त पद पर स्वाधीन क्षत्रिय की नियुक्ति मुंबई स्थित सहयाद्रि अतिथिगृह में की गई। स्वाधीन क्षत्रिय को उनके पद की शपथ लोकायुक्त एम.एल. टहलियानी ने दिलाई व उनका सत्कार किया।

संसद में एकजुट होकर रामजस विवाद को उठाएगा विपक्ष

नई दिल्ली

राजधानी के रामजस कालेज विवाद और सोशल मीडिया के जरिए छात्रा गुरमेहर कौर पर किए गए आपत्तिजनक हमले के बहाने विपक्ष एकजुट होकर संसद में इस मामले पर सरकार की घेराबंदी करेगा। जेएनयू के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के इस विवाद के सहारे विपक्ष अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कथित आघात के मुद्दे को जोर-शोर से उठाएगा।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण एक महीने के अवकाश के बाद उत्तरप्रदेश के चुनाव खत्म होने के अगले दिन 9 मार्च से शुरू हो रहा है। इसमें साफ तौर पर गुरमेहर और रामजस कालेज का विवाद विपक्ष के प्रमुख एजेंडे में रहेगा। माकपा महासचिव सीताराम येचुरी ने इसका स्पष्ट संकेत देते हुए कह दिया है कि रामजस कालेज विवाद में जिस तरह राष्ट्रवाद को जिस हिंसक अंदाज में परिभाषित किया गया है उसे संसद में विपक्ष उठाएगा। बताया जाता है कि इस मामले पर वामपंथी दल और कांग्रेस दोनों मिलकर विपक्ष के अन्य दलों को इस मुद्दे पर साथ लाकर सरकार पर एकजुट हमले की कोशिश करेंगे। खासकर भाजपा की छात्र इकाई एबीवीपी के दिल्ली पुलिस के कथित संरक्षण में वामपंथी छात्र संगठन आइसा के सदस्यों से मारपीट और इसके खिलाफ आवाज उठाने वाली छात्रा गुरमेहर को सोशल मीडिया पर दुष्कर्म की धमकी देने को संसद में उठाते हुए सरकार पर विचारों की आजादी छीनने का आरोप लगाया जाएगा। कांग्रेस ने भी सरकार पर नोटबंदी के बाद लोगों की जुबानबंदी का अभियान शुरू करने की बात कह वामपंथी दलों से इस मामले में तालमेल का पहले ही संकेत दे दिया है।

मुख्यमंत्री में नहीं है प्रजापति के खिलाफ कार्रवाई करने का साहस - राजनाथ

बलिया

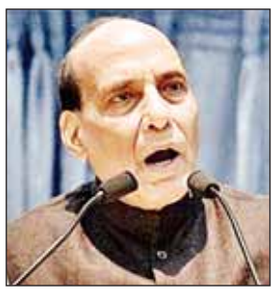

केन्द्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने बलात्कार मामले में घिरे काबिना मंत्री गायत्री प्रजापति पर कार्रवाई को लेकर अखिलेश सरकार पर हमला किया।

राजनाथ ने बलिया और सोनभद्र में आयोजित चुनावी सभाओं में बलात्कार मामले में घिरे काबिना मंत्री गायत्री प्रजापति का कथित रूप से बचाव करने को लेकर सपा पर जमकर हमला करते हुए कहा, सपा सरकार का मंत्री बलात्कार करता है और मुख्यमंत्री उसपर कार्रवाई करने का साहस नहीं दिखाता है। उच्चतम न्यायालय को इसके लिए हस्तक्षेप करना पड़ता है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री का पद विक्रमादित्य के सिंहासन की तरह होता है। इस पर बैठने वाले को केवल न्याय करना पड़ता है। मालूम हो कि राज्य के परिवहन मंत्री प्रजापति पर उच्चतम न्यायालय के आदेश पर बलात्कार का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली है। केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि प्रदेश मे चौबीस घंटे बिजली देने का वादा करने वाले अखिलेश के उत्तर प्रदेश में जनता को बिजली नहीं केवल बिजली का बिल मिल रहा है। कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि जिसने चुनाव से चार माह पहले ही खटिया पकड़ ली हो वह चुनाव क्या लड़ेगा? राजनाथ ने कहा कि बसपा के हाथी की सेहत पीपल का पत्ते की जगह केवल पैसा खाने से खराब हो गयी है।

उन्होंने इसके साथ ही कहा कि पंक्चर और बिना चेन की साइकिल केवल हाथ के सहारे लखनऊ नहीं जा सकती।

पश्चिम बंगाल: भाजपा की महिला नेता बच्चों की तस्करी मामले में गिरफ्तार

कैलाश विजयवर्गीय और रूपा गांगुली का भी आया नाम

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में जड़ें जमाने की कोशिश कर रही है भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम बंगाल की सीआईडी ने बाल तस्करी के आरोप में बीजेपी नेता जूही चौधरी को गिरफ़्तार किया है। जूही चौधरी को भारत-नेपाल सीमा से सटे बतासिया इलाके से गिरफ्तार किया गया है । इससे पहले पुलिस ने इस कांड की मुख्य अभियुक्त और विमला शिशु गृह की संचालिका चंदना चक्रवर्ती को 18 फरवरी को गिरफ़्तार किया था। चंदना चक्रवर्ती ने पुलिस को पूछताछ में बताया था कि पश्चिम बंगाल की बीजेपी नेता जूही चौधरी ने बाल तस्करी के एक मामले को सुलझाने के लिए बीजेपी के बड़े नेता कैलाश विजयवर्गीय और रूपा गांगुली से कुछ बात की थी।

सीआईडी ने इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ़्तार किया है। इन लोगों पर नवजात शिशु और बच्चों का बॉर्डर पर तस्करी करने का आरोप है। इनमें विमला शिशु गृह की मुख्य एडॉप्शन अधिकारी सोनाली मोंडल, अध्यक्ष चंदना चक्रबोर्ती और चंदना के भाई मानस भौमिक शामिल हैं। इन तीनों पर 1-14 साल की आयु के 17 बच्चों को उच्चे दामो पर विदेशियो को बेचने का आरोप है। इन लोगों ने अपने काम को सही साबित करने के लिए फर्जी तरीके से ये दिखाया कि इन बच्चों को उनके माता-पिता ने दूसरे लोगों को गोद दिये जाने के लिए अपने बच्चे सौंपे थे और इस पूरी प्रक्रिया को सरकारी क़ानूनों के मुताबिक गया है। हालांकि बीजेपी ने इन आरोपों को इनकार किया है। बीजेपी नेता कैलाश विजयवर्गीय ने कहा है कि कोलकाता पुलिस हमारे ख़िलाफ़ साज़िश रच रही है और इन दिनों कोलकाता पुलिस पर तृणमूल कांग्रेस का कब्जा हो गया है। कैलाश विजयवर्गीय के मुताबिक कोलकाता पुलिस ने पहले बीजेपी नेता जॉयप्रकाश मजूमदार और शिशिर बाजौरिया को निशाना बनाया और कोलकाता पुलिस मेरे ख़िलाफ़ साज़िश रच रही है।

जेएनयू प्रकरण में कन्हैया कुमार पर देशद्रोह का आरोप साबित करने में दिल्ली पुलिस नाकाम

नई दिल्ली

जेएनयू देशद्रोह प्रकरण में दिल्ली पुलिस की जांच में तत्कालीन छात्रसंघ अध्यक्ष कन्हैया कुमार के खिलाफ देश विरोधी नारे लगाने के सबूत नहीं मिले हैं। दिल्ली पुलिस की विशेष टीम द्वारा ड्राफ्ट की गई चार्जशीट में इस बात का खुलासा हुआ है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने जांच में कहा है कि कन्हैया कुमार के खिलाफ देश विरोधी नारे लगाने के सबूत नहीं मिले हैं, लेकिन जांच में ये जरूर माना गया है कि कन्हैया कुमार ने ऐसे देशविरोधी कार्यक्रम को रोकने की कोशिश भी नहीं की। स्पेशल सेल ने कोर्ट से कानूनी राय ली है कि क्या कन्हैया कुमार को आरोपी बनाया जा सकता है। जेएनयू के ही छात्र उमर खालिद और अनिर्बन को लेकर कहा गया है कि उनके खिलाफ देशद्रोह के ऐसे सबूत हैं जिससे पुलिस उनके खिलाफ देशद्रोह का केस बना सकता है। इसके अलावा यह बात भी सामने आई है कि जेएनयू में नौ ऐसे लोग भी आये थे, जिन्होंने देश विरोधी नारे लगाए, जो कश्मीर के हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने अनिर्बन और उमर खालिद के साथ-साथ नौ अन्य आरोपियों का वीडियो बयान रिकॉर्ड किया है। दिल्ली पुलिस की इस ड्राफ्ट चार्जशीट में जेएनयू के एबीवीपी और जेएनयू छात्र संघ से संबंधित छात्र, प्रोफेसर, सुरक्षा गार्ड, जेएनयू स्टाफ के अधिकारी गवाह बनाये गए हैं।

देश में बनी सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण

बालेश्वर

भारत ने स्वदेश निर्मित सुपरसोनिक इंटरसेप्टर मिसाइल का सफल परीक्षण किया।

इस मिसाइल में कम उंचाई पर आ रही किसी भी बैलिस्टिक शत्रु मिसाइल को नष्ट करने की क्षमता है। इस मिसाइल का एक महीने से कम समय में यह दूसरी बार परीक्षण किया गया है और यह बहु स्तरीय मिसाइल रक्षा प्रणाली विकसित करने के प्रयासों का एक हिस्सा है।

एक रक्षा अधिकारी ने बताया, आज का परीक्षण उड़ान के दौरान इंटरसेप्टर के कई मानकों को मान्यता देने के संबंध में किया गया। उन्होंने साथ ही बताया कि मिसाइल का कम ऊंचाई पर परीक्षण किया गया। इंटरसेप्टर ने यहां चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज के प्रक्षेपण परिसर 3 से पृथ्वी मिसाइल से प्रक्षेपित किये गये एक लक्ष्य को भेद दिया। लक्षित मिसाइल का चांदीपुर से करीब दस बजकर दस मिनट पर प्रक्षेपण किया गया। बंगाल की खाड़ी में अब्दुल कलाम द्वीप में तैनात उन्नत वायु रक्षा (एएडी) इंटरसेप्टर मिसाइल को करीब चार मिनट बाद ट्रैकिंग रडारों से संकेत मिले और यह शत्रु मिसाइल को हवा में ही नष्ट करने के लिए अपने पथ पर बढ़ गई। रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डीआरडीओ) के एक वैज्ञानिक ने कहा, यह मिशन सर्वोत्तम था और सटीकता से लक्ष्य को भेदा गया। अधिकारी ने कहा कि यह इंटरसेप्टर 7.5 मीटर लंबी एक चरणीय ठोस रॉकेट प्रणोदक निर्देशित मिसाइल है जिसमें एक नौवहन प्रणाली, एक अत्याधुनिक कंप्यूटर और एक इलेक्ट्रो मेकैनिकल एक्टीवेटर लगा है। उन्होंने बताया कि इंटरसेप्टर मिसाल का अपना एक सचल प्रक्षेपक, हवा में निशाने को भेदने के लिए एक सुरक्षित डाटा लिंक, स्वतंत्र ट्रैकिंग क्षमता और आधुनिक रडार हैं।

देश में शासन रैंकिंग में टॉप पर तिरुअनंतपुरम, दिल्ली दो पायदान फिसला

नई दिल्ली

जनाग्रह सेंटर फॉर सिटीजनशिप एंड डेमोक्रेसी ने अपने चौथे वार्षिक सर्वेक्षण की रैंकिंग जारी की। इसमें उसने 18 राज्यों के 21 शहरों को चुनकर उनके दस्तावेजी तैयारियों को आधार बनाया है। इसमें संबंधित शहर के नियम-कानून व नीतियां, सरकारी रिपोर्ट, बजट मसौदा, राजनीतिक हस्तक्षेप और उनकी सरकारी वेबसाइटों का अध्ययन किया गया।

इस दौरान गवर्नेंस के 83 मानकों को आधार बनाया गया है। भारतीय शहरों को इन मानकों पर जांचा व परखा गया, तो उन्हें 10 अंक में केवल 2.1 से 4.4 अंक प्राप्त हुए हैं, जबकि वैश्विक स्तर पर लंदन और न्यूयार्क को 9.3 और 9.8 अंक प्राप्त हुए हैं। शहरी जीवन स्तर की गुणवत्ता के लिए शहरी सुशासन सबसे अहम है।

जनाग्रह की सर्वेक्षण रिपोर्ट में शहरों की दशा बहुत खराब है, जिसमें सुधार के लिए गवर्नेंस की भूमिका महत्वपूर्ण है। चालू वित्त वर्ष 2016 की सर्वेक्षण रिपोर्ट के हिसाब से तिरुअनंतपुरम पहले स्थान पर है, जबकि पुणे ने अपने पिछले साल की रैंकिंग में दो पायदान का सुधार करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त कर लिया है। वही कोलकाता अपने तीसरे स्थान पर ही कायम है। इस बार भुवनेश्वर ने अपनी योजनाओं व गवर्नेंस में शानदार सुधार करते हुए आठ स्थानों की उछाल कर 10वां स्थान पा लिया है। भुवनेश्वर ने स्थानीय स्तर पर योजनाएं बनाई, कई तरह के सुधार और विकास परियोजनाओं के लिए एकल खिड़की प्रणाली अपनाई है। उत्तरप्रदेश का कानपुर शहर टॉप टेन की सूची जगह बनाने में सफल रहा है। दूसरी ओर बंगलौर अपने पिछले साल की रैंकिंग से चार पायदान नीचे खिसक गया है।

दरअसल चार अन्य छोटे शहरों ने अपनी स्थितियों में बेहतर सुधार किया है, जिसे बंगलौर का स्थान नीचे हो गया है। जयपुर शहरी निकाय ने कई अहम सुधार किये हैं, जिससे उसे बढ़त मिली है, जबकि चेन्नई और नीचे खिसक गया क्योंकि वहां राज्य सरकार ने मेयर के चुनाव की व्यवस्था को परोक्ष कर दिया है।

'जुगाड़' से बिगड़ रही शहरों की सूरत

सुशासन का अभाव, अकुशल वित्तीय प्रबंधन, निकायों में राजनीतिक हस्तक्षेप और बदलती परिस्थितियों के अनुरूप कानूनों में संशोधन न होने से शहरों की सूरत बिगड़ रही है।

जुगाड़ प्रबंधन से शहरी जीवन के और खराब होने का अंदेशा है। सक्षम योजना का अभाव और धन संग्रह के स्त्रोत न होने से ज्यादातर शहरों की हालत पंगु है।

जन सहभागिता के मामले में दिल्ली देश का पहला शहर है, जहां वार्ड स्तर पर योजनाएं बनाई जाती है।